Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 14-12-2005

Participants : Murmu Shri Hemlal

>

Title : Need to implement National Health Policy – 2002 and check the spread of Malaria, Kalazar, T.B. and other mosquito borne diseases.

श्री हेमलाल मुर्मू (राजमहल) : अध्यक्ष महोदय, राट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2002 का मूल उद्देश्य देश के सामान्य लोगों में उत्तम स्वास्थ्य का मानदंड हासिल करना है। इसके परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो सच्चाई केवल कागज के पन्नों पर ही है। सरकारी आंकड़ों के आधार पर मैं बताना चाहता हूं कि वर्ा 2003 में मलेरिया से 943 मौतें हुईं और करीब 16.50 लाख मलेरिया के मरीज सिर्फ झारखंड में पाए गए। कालाजार के मरीज 3000 और मौतें 5 हुईं। इसी प्रकार क्षय रोग से देश में हर वर्ा 4.25 लाख लोगों की मौत हो रही है। आंकड़े बताते हैं कि ऐसे राज्य जो आदिवासी एवं दलित बहुल राज्य हैं, जैसे- झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं उड़ीसा आदि में मलेरिया का प्रकोप भीाण है। उड़ीसा में वर्ा 2000 में 5 लाख से ज्यादा मरीज, झारखंड में करीब 1.50 लाख मरीज और छत्तीसगढ़ में करीब 3,60 लाख मरीज थे।

महोदय, हम लोगों ने झारखंड में अपने क्षेत्र में एन.जी.ओ. द्वारा सर्वेक्षण कराया, तो हमें पता लगा कि वहां 43 प्रतिशत फैलसी-फीरम, जिसे मस्तिक ज्वर कहते हैं, उसके मरीज मिले थे। इस संख्या में अगर कालाजार और ट्यूबरकुलोसिस को शामिल कर लिया जाए, तो झारखंड के सुदूर जिलों में 92 प्रतिशत लोग इन बीमारियों से ग्रस्त हैं। इसीलिए वहां मृत्यु दर भी काफी बढ़ी हुई है।

महोदय, चूंकि झारखंड प्रदेश में अभी मलेरिया निदेशालय का गठन नहीं हुआ है इसलिए मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि कालाजार, यक्ष्मा और फेलेरिया जैसे रोगों को रोकने के लिए एक टीम भेजें और झारखंड सहित अन्य गरीब एवं दलित बहुल इलाकों में इस रोग पर नियंत्रण करने के लिए शीघ्रतिशीघ्र प्रभावित कदम उठाते हुए, झारखंड में मलेरिया निदेशालय को गठित करने की व्यवस्था की जाए।